वाक्य-विचार:वाक्य परिवर्तन/रूपांतरण

वाक्य की परिभाषा- किसी वक्ता या श्रोता के मन के भावों को व्यक्त करनवाले सार्थक शब्द समूह के मेल को वाक्य कहते हैं|

*वाक्य के अंग-उददेश्य(subject) और विधेय(predicate)

*वाक्य के घटक-कर्ता,कर्म और क्रिया|

*अन्य घटक-कारक(करण,संप्रदान,अपादान,अधिकरण),संबंधबोधक और क्रिया-विशेषण अव्यय

*वाक्य एक या एक से अधिक उपवाक्यों(clauses) का हो सकता है|

रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं-

१.सरल/साधारण वाक्य २.संयुक्त वाक्य ३.मिश्रित वाक्य

१.सरल वाक्य(SIMPLE SENTENCE)-

*इन वाक्यों में एक ही उददेश्य तथा एक ही विधेय होता है|

*इनमें एक ही समापिका क्रिया होती है|

*ये वाक्य-विधानार्थक,निषेधार्थक,प्रश्नार्थक,आज्ञार्थक,इच्छार्थक,संदेहार्थक और विस्मयार्थक रूपों में होते हैं|

उदाहरण- क.विधानार्थक(Assertive) -गंगा हिमालय से निकलती है|

ख.निषेधार्थक(Negative)-वे आज घूमने नहीं गए|

ग.प्रश्नार्थक(Interrogative)- क्या तुम जा रहे हो?

घ.आज्ञार्थक(Imperative)-बच्चो,पढने जाओ|/सब चुपचाप बैठो|

ङ.इच्छार्थक(Illative)-भगवान् सबका भला करें|

च.संदेहार्थक(Doubtful)-शायद आज वर्षा हो|

छ.विस्मयार्थक(Exclamatory)-हाय!मैं मर गया|/ वाह! सचिन ने छक्का मारा|

२.संयुक्त वाक्य(COMPOUND SENTENCE)-

*इन वाक्यों में एक से अधिक उपवाक्य होते है|

*ये उपवाक्य योजकों से जुड़े होते हैं|

*ये योजक है-और,या,किंतु,परंतु,मगर,पर,लेकिन,अतः,इसलिए,तथा, बल्कि,एवं,अन्यथा आदि|

*उदाहरण-क.राम ने दो सेब खाए और मैंने एक|

ख.घड़ी नीचे गिरी, पर टूटी नहीं|

ग.रात बीत गई तथा सुबह हो गई|

घ.वह थोड़ी देर रुकी फिर चलने लगी|

ङ.मैं न चाय पीता हूँ और न कॉफ़ी|

च.ड्राइवर ने कसकर ब्रेक लगाया अन्यथा(otherwise) टक्कर हो जाती|

छ.बारिश हुई,इसलिए फसल अच्छी हुई|

ज.माँ ने बच्चे को मिठाई ही नहीं दी,बल्कि नमकीन भी|

३.मिश्रित/मिश्र वाक्य(COMPLEX SENTENCE)-

*इन वाक्यों में एक प्रधान उपवाक्य(Main clause) और आश्रित उपवाक्य(Subordinate clause) होते हैं|

*आश्रित उपवाक्य के तीन प्रकार होते हैं-संज्ञा,विशेषण और क्रिया-विशेषण|

*मिश्र वाक्य में योजक- 'कि' या अल्प विराम (,) आ सकता है|

*जो(सर्वनाम),जितना-उतना,जहाँ-तहाँ,जैसा/जैसी/जैसे(विशेषण)-तैसा/तैसी/तैसे - ऐसे शब्द भी आ सकते हैं|

*जब-तब,ज्योहीं-त्योहीं,ज्यों-त्यों,क्योंकि/चूँकि-इसलिए,यद्यपि-तथापि,यदि/अगर-तो,तो भी,कहीं-जल्दी -ऐसे शब्द जोड़ियों भी आ सकते हैं और अकेले भी|

*उदाहरण-क.शीला ने पूछा कि तुम्हारा घर कहाँ है?

ख.उसने बताया,माँ बीमार है|

ग.जो छात्र वहाँ खड़ा है,वह मेरे स्कूल का ही है|

घ.जब मैं स्टेशन पहुँचा,तब गाडी चल पड़ी थी|

ङ.जहाँ चाह,वहाँ राह|

च.जैसी करनी,वैसी भरनी|

छ.तुम जितना पढ़ोगे,उतना ही लाभ होगा|

ज.यदि तुमने पढ़ा होता तो तुम अवश्य पास हो गए होते|

झ.जल्दी चलो,कहीं गाड़ी छूट न जाए|

वाक्य-रूपांतरण - सरल,संयुक्त और मिश्र

(Transformation of sentences-Simple, Compound and Complex)

एक प्रकार के वाक्य को दूसरे प्रकार के वाक्य में बदलना ही **वाक्य-परिवर्तन** या **वाक्य-रूपांतरण** कहते हैं|

रचना की दृष्टि से वाक्य -सरल,संयुक्त और मिश्रित तीन प्रकार के होते हैं|

इनको आपस में बदलना ही रचना के आधार पर वाक्य-परिवर्तन कहलाता है|

सरल से संयुक्त या मिश्र में बदलना ;

संयुक्त से सरल और मिश्र में बदलना :

मिश्र से सरल या संयुक्त में बदलना --वाक्य-रूपांतरण/वाक्य-रचनांतरण है|

उदाहरण--

1.सरल वाक्य- मैंने दिल्ली जाकर क़ुतुबमीनार भी देखी|

संयुक्त वाक्य- मैं दिल्ली गया और मैंने वहाँ कुतुबमीनार भी देखी|

मिश्रित वाक्य- जब मैं दिल्ली गया,तब मैंने वहाँ कुतुबमीनार भी देखी|

2.संयुक्त वाक्य- श्याम बस से गिरा और मर गया|

सरल वाक्य- श्याम बस से गिरकर मर गया|

मिश्र-ज्योंही श्याम बस से गिरा त्योंही वह मर गया|

3.मिश्रित वाक्य-- जिस छात्र ने शीशा तोड़ा था,प्रधानाचार्य ने उसपर सौ रुपए का जुर्माना किया|

सरल वाक्य- शीशा तोड़नेवाले छात्र पर प्रधानाचार्य ने सौ रुपए का जुर्माना किया|

संयुक्त वाक्य- छात्र ने शीशा तोड़ा इसलिए प्रधानाचार्य ने उसपर सौ रुपए का जुर्माना लगाया|

****